



- 2 -

विनोद आगे बिल्डेता करता गया, है, एक गलान पूर्व ओ गीक, यर्दगान नियासी-२५४, चन्द्रलोक छालोनी, असामीज, जल्दानक इथं त्याहां नियासी-शाम - बिजांपुर बिटारी, बोट-नीगमि, जिला-फलेहपुर जिले आगे क्रेता लक्ष्य गया है, के पक्षा निष्पादित विद्या गया।

यह विक्रेता भूग्र असता न० १०९, टक्का ०.०८० लेवटेजर, दिल्ली शाम बुजुल नगर उपर बगियामऊ, बटगना-जिनीर, नाहरसिल व बिला लखनऊ, का गासिक, कामिल व काकिज हैं

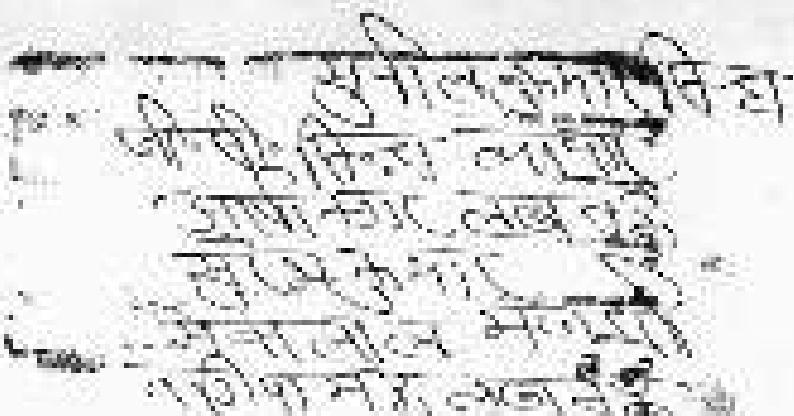
~~1000~~ 1000

1000 1000

1000 1000

1000

1000



1000 1000

1000 1000

1000 1000

1000 1000



699/28

10511A



### विवरण चिलेस्टा

विवरण संख्या	: श्रृंग 1,50,198/-
आवास संख्या	: श्रृंग 72,003/-
स्थान संख्या	: श्रृंग 15,104/-
पत्रगामना	: विकासीह

यह विवरण चिलेस्टा प्रिंटर, पुस्तक प्रयोग, विषाणू- प्राप्त- बृहत्तुक नगर  
उर्फ विजयामर्त, पटाना-विजयीर, तालसील व चिला लालनक

PHOTO COPY TESTED

Photo Copy  
Society  
Kalyan Chowk, P.O. Sector 10, Chandigarh-160010  
Ph. 0172-2220000



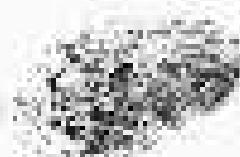
to  
Ladakh [unclear] (10 March)  
[unclear]  
1020 + 2100 - 2060

[unclear]

तथा उपरोक्त सत्यागित घटाविक द्याता खतोनी जम लंब्या  
 145 के अनुसार उगत मृगि विकला के नाम का आगल दरायद  
 राजस्थ अमिलेला में हो गया है। घटाविक द्यातोनी कल्सली वर्ष  
 1408 से 1413 के अनुसार ग्रामपालिय दर्ता है, विकला या पहुँच  
 10 वर्ष के आधिक पुदाना है। इसलिए शाटानादेश अनुसार विकला  
 को अपना लिस्ता विकल्प करने का अधिकार है। विकला लप्तोवता  
 लम्बान् भूमि के सामिन, काशील ये काकिय है एवं बतेनान समझ में  
 उगत मृगि कृषि भूमि है, औट चुड़ तिं विकला वह छोकित बचता है  
 कि उपरोक्त विकला भूमि तभी प्रकाट के भारी ढे गुकत्त ऐं पाया  
 प साफ है तथा विकला ने उसे इस दिवाय यो पूर्ण कर्त्त बग, हिंना,  
 मिठ्ठी या अनुशनिय हस्यादि गहरी गिरा है। उपरोक्त भूमि या  
 उसका क्षेत्र भाग विकला न्यायालय या राजकुटी यार्दगाही के  
 अन्तर्गत विवाद कर पहलु विवर नहीं है, न ही कुक्कु इत्यादि है।  
 विकला के डालावा उपर गृमि में विकला अन्ध व्यक्ति का स्वरूप  
 हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विकला यो उगत विकल अन्तर्गत  
 करने या पूर्ण आधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहगति के  
 कलस्वरूप ₹० 1,50,148/- (एक लाख पचास हजार एवं सौ  
 अष्टावान्ये रुपया) के दोस्रे रुपया में लिसका कि उपरोक्त द्याता द्याता  
 विकला भी इस विलेख के अन्त में की गई अनुसूनी में वर्णित विषि



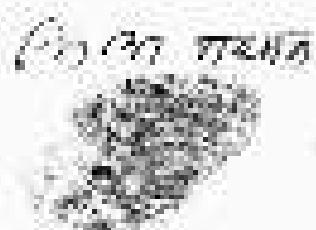
के अनुराग नुसारात् यह दिया गया है एवं जिसमें प्राप्ति को  
विद्वेषा उहाँ लब्धीकरण कहते हैं। तदानुसार उव्यत विद्वेषा उहाँ कहता  
के हाथ उपरोक्त विभिन्न भूमि, जिसमें विवरण इस विद्वेषा विद्वेषा  
को अन्त पे अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को यहाँ है एवं  
विद्या है, एवं विद्वेषा ने विकावशुद्धा भूमि का भीके पर वाक्या तेज़ा  
को बल्की बना दिया गया है। उव्यत आठाज्ञी पट विक्रीता तथा  
उसके वारिसाम यह कोई अधिकार नहीं है। विद्वेषा ने विकावशुद्धा  
राम्यलिंग को अपने स्वानिष्ठ के सामर्त्य अधिकारी के साथ पूर्णता  
व रूपेशा के लिए तोता को बहावाराहित यह दिया है। अब फ्रेता  
विकावशुद्धा सम्पर्क एवं उहाँके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र  
स्वामित्व व अधिकार व कर्त्तव्य में राम्यलिंग के रूप में आठग एवं  
उपरोग व उपभोग करेंगे। विद्वेषा उसमें निर्वी भकार की अद्वया  
मात्रा नहीं उह उपरोग एवं न ही कोई भाग यह उपरोग। और वहि  
विकावशुद्धा सम्पर्क अध्यया कोई गाग विद्वेषा के स्वानिष्ठ में प्राप्ति  
के कारण या यानन्दी अद्वयन या यानन्दी जुहि के कारण भेता या  
उसके वारिसाम निष्पादकगण इत्यादि के वाक्ये या अधिकार या  
त्वाव से निष्वल जावे तो लेता उहाँके वारिसाम, निष्पादकगण  
इत्यादि को सह उक्त होता कि यह आपना समर्पन नुकटाम नय  
हजाँ व उद्योग, विद्वेषा की चल, अथव सम्पादित द्वे जटिरो अद्वालत



वसुल यन्हे ले। उक्त सिवत में गिरोता एवं उसके बारेमान हुआ व सची देखे हेतु काल्प आगे।

यह कि श्रेष्ठा नियमसुधा सम्बन्धी की दाकिल त्यारिज राजस्व अधिकारी भी अपने नाम दर्ज करा से तो गिरोता की कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलोक्त के पूर्ण का अग्र बोर्ड कराया किसी तरह का भाट इस सम्बन्धी गट होगा तो उसको गिरोता भुगतान व गहन करेगा, जिसका को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त चक्रवाच नमान साम बदलक नगर डर्क चौमियाम, जर्वनगरीय कीज के लामान्द्र साम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सहविकल रेट रु. १,००,०००/- प्रति हेक्टेयर के डिटार्ड से गिरोता भूमि ०.०८० हेक्टेअर की मालिकता रु. ७२,०००/- होती है। यही विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए नियमसुधार विक्रय मूल्य पर ही रु. १,५५,३००/- जगतल लाभ आद किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त गिरोता भूमि कृषि के उपयोग के लिए छोड़ी जा रही है। इस भूमि पर बोर्ड बदली, तालाब व निर्माण आद नहीं है, तथा २०० बीघ के अर्धसात्र में बोर्ड निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंक मर्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। गिरोता



लिंक नारे, दानवारे व जनपदीव नारे पर स्थित नहीं है। विकेत  
भूमि कुलामामुट ही लगभग 500 भीटर से अधिक दूरी व शहर  
पश्चि से 100 भीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विकेता व झोला  
दोनों अनुस्यापित जाति को सदृश हैं। इस विकास विकेता को  
विकासन का समझा च्छय क्रेता द्वारा यहन किया गया है।

#### परिस्थिति : विवरण विद्युतमुदा सम्बलि का विवरण

भूमि लालरा नं 109, रफ्का 0.080 हेक्टेअर, स्थित छाप  
पूर्वक नगर उपनी कागिचामुज, यलाना-बिजनीर, लहसील न जिला  
लखनऊ, बिराकी बौहद्यो मिन है।

लालरा नं 109, रफ्का 0.080 हेक्टेअर

पूर्व	: लालरा संडब्या-110
पश्चिम	: लालरा संडब्या-106
उत्तर	: लालरा संडब्या-108
दक्षिण	: खकटोड

#### परिस्थिति : गुणात्मक विवरण

कुल विद्युत घूम्य विकेता को रुप 1,30,298/- (एक लाख  
तीव्रता हजार एक सौ अक्षयान्वे रुपवा) फ़ैला ही प्राप्त हुए तथा  
वित्तवी प्राप्ति विकेता हीवीकार करते हैं।



लिहाजा यह विक्रम पत्र हग निरोन्ता ने क्रेता को पत्र में  
समझ गयाहन दिन। किली और द्रव्य को, व लक्ष्य चिला व सा  
की दजा में लिख दिया ताकि सनद रहे और आषदनकर्ता पढ़ने पर  
काब आये।

लिहाजा निरोन्ता

लक्षणका

दिनांक: 04.12.2004

गवाह

1. *Suresh Kumar Saini*

मेरा भूत अपने L.R.O. निरोन्ता

2. *अश्विनी कुमार युवा भवानीकर्ण*

मेरा भूत अपने अपने  
L.R.O. निरोन्ता

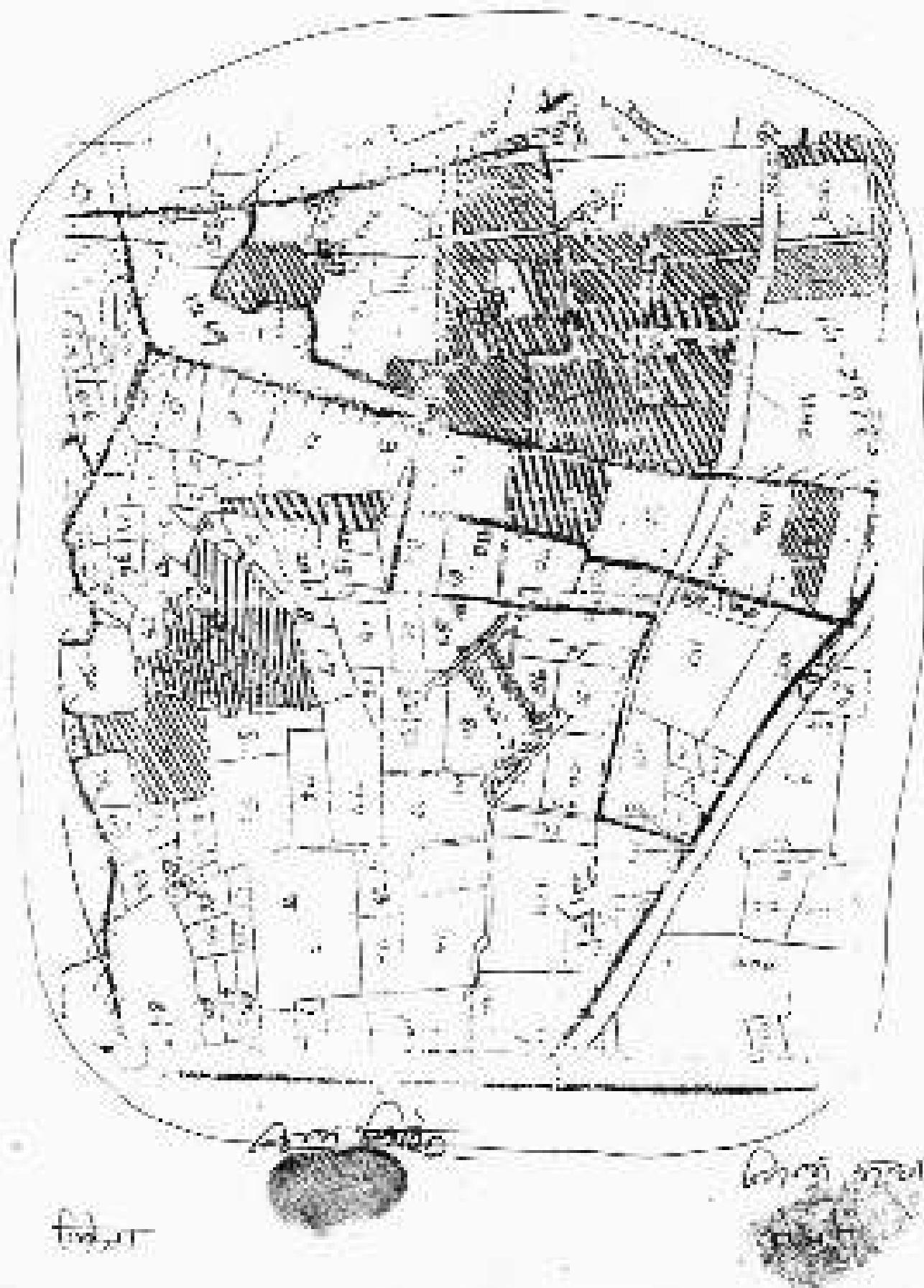
दाइनपाता

(दाम संभेडी)

मसाविदापाता

*C. P. Bhawna Saini*

સુરત યૂનિવેર્સિટીની પ્રાચીન વિજ્ઞાન અનુભૂતિ અનુભૂતિ  
અસરાનો 109 રૂપાં એન્ડોબ્લાસ્મ



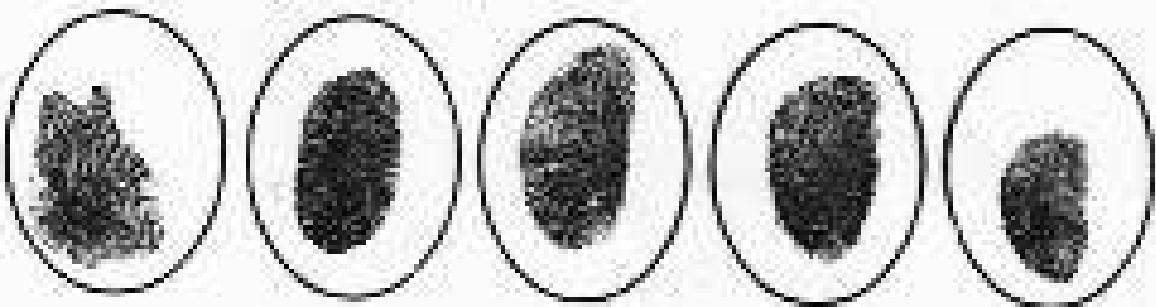
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन  
हेतु फिंगर प्रिंट्स

प्रस्तुतकर्ता/विकेता का नाम व पता : -

- हैंड एफिचल एन्ड एसेंस लिमिटेड - ब्रिटिश कोर्पोरेशन  
वाले हाथ के अंगुलियों के लिए :

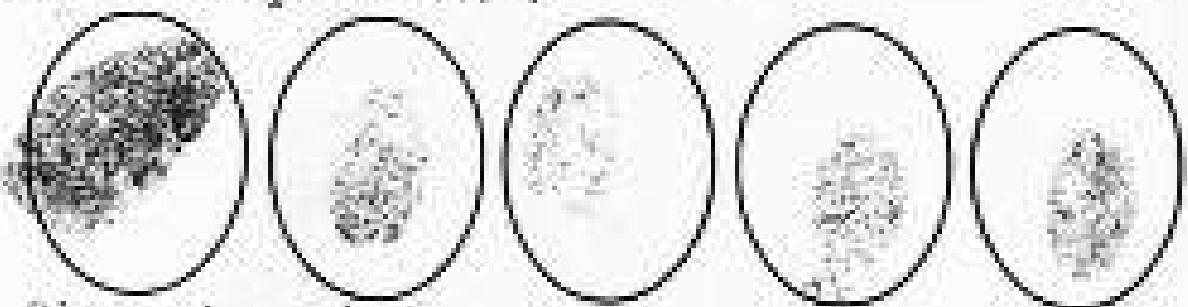


दाहिने हाथ के अंगुलियों के लिए :



प्रस्तुतकर्ता/विकेता का नाम व पता : -

- हैंड एफिचल एन्ड एसेंस लिमिटेड - ब्रिटिश कोर्पोरेशन  
वाले हाथ के अंगुलियों के लिए :



दाहिने हाथ के अंगुलियों के लिए :



विकेता/किंता के हस्ताक्षर

ग्रन्थ संख्या १२०८  
प्रकाशक जी... दिनांक ६५७२  
पुस्तक संख्या २४५/२८२  
प्रकाशित १५/१५  
मुद्रित १५/१५  
मुद्रित (मुद्रा)  
मुद्रा

